Think
IAS...

दृष्टि The Vision

Think
Drishti

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)

बिहार पी.सी.एस.
(मुख्य परीक्षा)
प्रैक्टिस पेपर्स

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम *(Distance Learning Programme)*

Code: BRPM25

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)

बिहार पी.सी.एस.
(मुख्य परीक्षा)
प्रैक्टिस पेपर्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष : 011-47532596, 87501 87501
टोल फ्री : 1800-121-6260
Web : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी updates निरंतर पाने के लिये निम्नलिखित पेज को "like" करें
www.facebook.com/drishtithevisionfoundation
www.twitter.com/drishtiias

BPSC DLP

विषय सूची (Contents)

60-62वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा) सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र	5–23
60-62वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा) सामान्य अध्ययन-द्वितीय प्रश्नपत्र	24–37
56-59वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा) सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र	38–51
56-59वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा) सामान्य अध्ययन-द्वितीय प्रश्नपत्र	52–63
प्रैक्टिस पेपर-1	64–67
प्रैक्टिस पेपर-2	68–71
प्रैक्टिस पेपर-3	72–75
प्रैक्टिस पेपर-4	76–79
प्रैक्टिस पेपर-5	80–82
प्रैक्टिस पेपर-6	83–86
प्रैक्टिस पेपर-7	87–90

60-62वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा)
सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

हल प्रश्नपत्र

खंड-I

1. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बिहार में जनभागीदारी का वर्णन कीजिये।
2. बिहार में 1813 से 1947 तक पाश्चात्य शिक्षा के विकास की विवेचना कीजिये।
3. मार्य कला पर प्रकाश डालिये तथा बिहार में इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।
4. "गांधी की रहस्यात्मकता में मौलिक विचारों का, दाव-पेंचों की सहज प्रवृत्ति और लोक चेतना में अनोखी पैठ के साथ अनोखा मेल शामिल है।" व्याख्या कीजिये।
5. बंगला साहित्य तथा संगीत में रवींद्रनाथ टैगोर के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।
6. जवाहरलाल नेहरू की विदेश-नीति के प्रमुख लक्षणों का परीक्षण कीजिये।

खंड-II

7. डोकलाम गतिरोध क्या है? इसके अंतर्निहित कारण क्या थे? भारत ने इससे राजनयिक एवं रणनीतिक मंच पर क्या सीखा? क्या इस प्रकार के विवादों को सुलझाने में गांधी दर्शन उपयोगी हो सकता है? यदि हाँ, तो कैसे?
8. विमुद्रीकरण योजना को स्पष्ट कीजिये। आपके विचारों में किस हद तक यह योजना सफल अथवा असफल रही? बिहार सरकार की शराब प्रतिबंध नीति पर इसके क्या प्रभाव पड़े?
9. उत्तर कोरिया एवं अमेरिका के बीच विवाद को विस्तार से समझाइये। क्या इस विवाद को हल करने में संयुक्त राष्ट्र एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है? यदि हाँ, तो कैसे? और यदि नहीं, तो इसके अंतर्निहित कारण क्या हैं? इस विवाद को सुलझाने में कुछ उपयुक्त सुझाव दीजिये।
10. जी.एस.टी. क्या है? भारत में इसके परिचय के पीछे क्या प्रमुख कारण थे? भारत की अर्थव्यवस्था एवं मौद्रिक नीति पर इसके कार्यान्वयन से क्या लाभ एवं नुकसान हुए?
11. मानवाधिकारों से आप क्या समझते हैं? संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (1948) पर प्रकाश डालिये। बिहार सरकार द्वारा पिछले एक दशक में इन्हें बढ़ावा देने हेतु क्या प्रमुख प्रयास किये गए?

खंड-III

12. भिन्न रेखा-आलेख का अध्ययन कीजिये, जिसमें तीन कंपनियों A, B तथा C द्वारा अर्जित प्रतिशत लाभ अवधि 2011 से 2016 तक के लिये दिया गया है तथा उन प्रश्नों के उत्तर दीजिये जो इसके नीचे दिये गए हैं:

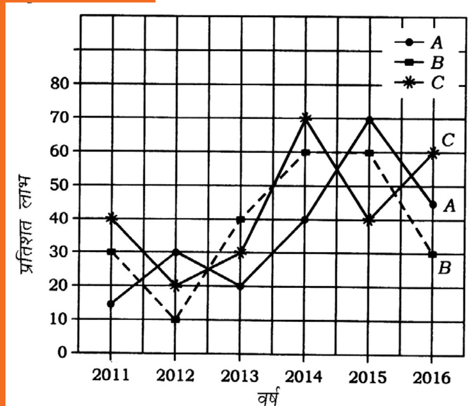

(क) वर्ष 2012 में कंपनी B की आय ₹ 60 लाख थी, जो वर्ष 2013 में 30% बढ़ गई। कंपनी B का वर्ष 2013 में व्यय ज्ञात कीजिये।

(ख) यदि कंपनियों A, B तथा C का वर्ष 2016 में व्यय बराबर था तथा उनकी उस वर्ष में कुल आय ₹ 870 लाख थी, तो प्रत्येक कंपनी का उस वर्ष में लाभ ज्ञात कीजिये।

(ग) यदि कंपनियों A, B तथा C का वर्ष 2014 में व्यय क्रमशः ₹ 200 लाख, ₹ 300 तथा ₹ 400 लाख था तो वर्ष 2014 में उनके लाभ का अनुपात ज्ञात कीजिये।

(घ) यदि कंपनियों A, B तथा C की वर्ष 2015 में आय बराबर थी तथा उनका उस वर्ष में कुल व्यय

उत्तर

खंड-I

1. क्रिप्स मिशन की असफलता ने यह साबित कर दिया था कि ब्रिटिश सरकार द्वितीय विश्वयुद्ध में भारतीयों का सहयोग तो प्राप्त करना चाहती थी, किंतु भारतीयों के पक्ष में किसी भी सम्मानजनक समझौते के लिये तैयार नहीं थी। युद्धकालीन परिस्थितियों ने जनता के असंतोष को और बढ़ाने का कार्य किया, साथ ही जापानी सेना के भारतीय सीमा से सटे हुए क्षेत्रों में बढ़ते हुए प्रभाव ने राष्ट्रवादी नेताओं को चिंतित कर दिया। परिणामस्वरूप इन्हीं परिस्थितियों ने भारतीय जनमानस को एक बड़ा आंदोलन करने पर विवश किया। अगस्त 1942 में अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस का अधिवेशन बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान, जिसे अब 'अगस्त क्रांति मैदान' कहते हैं, में बुलाया गया, जिसमें गांधी जी के नेतृत्व में, भारत छोड़ो आंदोलन' प्रारंभ करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसी आंदोलन के दौरान गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया।

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में बिहार का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इस आंदोलन में बिहार सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल था। 31 जुलाई को राजेंद्र प्रसाद द्वारा बिहार प्रदेश कॉन्ग्रेस समिति की बैठक कुलाकर कॉन्ग्रेसी कार्यक्रम को भावी संघर्ष के लिये तैयार रहने की बात की गई। हालाँकि आंदोलन शुरू होते ही भारत सहित बिहार के बड़े-बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हो गई थी, जिसमें राजेंद्र प्रसाद एवं जयप्रकाश नारायण भी शामिल थे। लेकिन बिहार की जनता कहाँ रुकने वाली थी। उन्होंने बिना नेतृत्व के अपनी भागीदारी बनाए रखी और अंग्रेजों को सोचने के लिये मज़बूर कर दिया। इस आंदोलन में बिहार के करीब 15,000 से अधिक लोग बंदी बनाए गए थे, 7000 से ज़्यादा लोगों को सजा मिली और 134 बिहारियों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। जनभागीदारी की सबसे बड़ी मिशाल 11 अगस्त, 1942 को देखने को मिला। यह बिहार और स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का सबसे अविस्मरणीय दिन था, जब पटना सचिवालय गोलीकांड में बिहार के 7 छात्र शहीद और कई घायल हो गए थे। 11 अगस्त के दिन विधायिका का एक जुलूस सचिवालय भवन के सामने विधायिका भवन पर राष्ट्रीय झंडा लहराने की कोशिश कर रहा था, तभी पटना के जिलाधीश डब्ल्यू. जी.आर्चर के आदेश पर पुलिस गोलीबारी में 7 छात्र मारे गए तथा अनेक घायल हो गए। मरने वाले छात्रों में उमाकांत सिन्हा, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, देवीपद चौधरी, रामगोविंद सिंह, राजेंद्र सिंह तथा जगपति कुमार थे।

इस गोलीकांड के बाद बिहार की जनता में उबाल आ गया। जगत नारायण लाल की अध्यक्षता में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके तहत संचार सुविधाओं को ठप करने तथा सरकारी कार्यों में अवरोध डालने का निर्णय लिया गया। इसके फलस्वरूप पूरे बिहार की रेलपटरियों को नुकसान पहुँचाया गया। तार तथा टेलीफोन की लाइनें काट दी गईं। डाकघरों, थानों, रेलवे स्टेशनों आदि सरकारी इमारतों को जला दिया गया तथा पुलिस पर आक्रमण किया गया।

छोटानागपुर क्षेत्र के आदिवासियों ने, खासकर ताना‌भगत आंदोलन से जुड़े लोगों ने भी अपने क्षेत्र में ब्रिटिश सत्ता को चुनौती पेश की। जमशेदपुर स्थित टिस्को एवं डालमियानगर स्थित रोहतास इंडस्ट्रीज के श्रमिकों ने भी हड़ताल का आयोजन किया तथा विरोध प्रदर्शन के लिये सड़क पर उत्तर आए।

बिहार में महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छपरा में शांति देवी के नेतृत्व में एक जुलूस का आयोजन हुआ। पुलिस ने जब इस जुलूस पर लाठी चार्ज करना चाहा तो इन्होंने 'पुलिस हमारा भाई है' का नारा लगाया। इस नारे से प्रभावित होकर पुलिस के जवानों ने लाठी चलाने से इंकार कर दिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई दलों अथवा समूहों का निर्माण हुआ जिससे जुड़कर जनता रणनीतियों के तहत सरकार के खिलाफ मुकाबला करती थी। आज़ाद दस्ता, ध्वंसात्मक कमेटी, महिला चरखा समिति, सियाराम दल इत्यादि कई ऐसे बिहार के जनसमूह थे, जिन्होंने इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस तरह भारत छोड़ो आंदोलन अंग्रेजों की नीतियों के विरुद्ध भारतीय जनता के जनाक्रोश का परिणाम था।

60-62वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा)
सामान्य अध्ययन-द्वितीय प्रश्नपत्र

हल प्रश्नपत्र

खंड-I

1. "राज्य की नीति के निर्देशक तत्त्व पवित्र घोषणा मात्र नहीं हैं बल्कि राज्य की नीति के मार्ग-दर्शन के लिये सुस्पष्ट निर्देश हैं।" व्याख्या कीजिये और बताइये कि वे व्यवहार में कहाँ तक लागू किये गए हैं।
2. 'हिंदुत्व' अवधारणा का परीक्षण कीजिये। क्या यह धर्मनिरपेक्षवाद का विरोधी है?
3. भारतीय राजनीति में प्रमुख दबाव समूहों की पहचान कीजिये और भारत की राजनीति में उनकी भूमिका का परीक्षण कीजिये।
4. बिहार की राजनीति में राज्यपाल की शक्तियों तथा वास्तविक स्थिति का वर्णन कीजिये।

खंड-II

5. "भारत में दीर्घकालीन रोज़गार नीति का मुख्य मुद्दा रोज़गार प्रदान करना नहीं वरन् श्रम शक्ति की रोज़गार क्षमता को बढ़ाना है।" इस कथन का विवेचन गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व प्रशिक्षण के मार्फत ज्ञान व दक्षता के विकास के विशेष संदर्भ में कीजिये। देश में 2000 के बाद क्षेत्रवार रोज़गार सृजन की प्रवृत्तियों और फलितार्थों को भी समझाइये।
6. भारतीय कृषि में संवृद्धि एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियों की व्याख्या कीजिये। देश में उत्पादकता में सुधार लाने और कृषि आय को बढ़ाने के उपाय भी सुझाइये।
7. "हाल की अवधि में पंचायत व्यवस्था के सशक्तीकरण के माध्यम से विकेंद्रित नियोजन भारत की आयोजना का केंदबिंदु रहा है।" इस कथन को समझाते हुए समन्वित प्रादेशिक विकास नियोजन की एक रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये। संविधान के 73वें व 74वें संशोधन के बाद भारत में विकेंद्रित नियोजन के परिदृश्य का आलोचनात्मक परीक्षण भी कीजिये।
8. भारत में सार्वजनिक वस्तु अनुदान, मेरिट वस्तु अनुदान और गैर-मेरिट वस्तु अनुदानों से आपका क्या तात्पर्य है? देश में उर्वरक, खाद्य व पेट्रोलियम अनुदानों की समस्या तथा हाल ही की प्रवृत्तियों को समझाइये।

खंड-III

9. भारत के लिये प्रदूषण गंभीर खतरा बन गया है। इसके कारणों की पहचान कीजिये एवं इंगित कीजिये कि शासन द्वारा कौन-से अनिवार्य कदम उठाए जाने चाहिये एवं जनता द्वारा कौन-से स्वैच्छिक कदम उठाए जाने चाहिये।
10. ऊर्जा की बढ़ती हुई ज़रूरतों के परिप्रेक्ष्य में क्या भारत को अपने नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रमों का विस्तार जारी रखना चाहिये? नाभिकीय ऊर्जा से संबंधित तथ्य एवं भय की विवेचना कीजिये।
11. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की उपलब्धियों को आप किस तरह देखते हैं? उनके अगले रोमांचक लक्ष्य क्या हैं?
12. 'उदय' (उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना) क्या है? कौन-से राज्य इस योजना के भागीदार हैं? बिहार किस तरह से 'उदय' से लाभान्वित होगा?

उत्तर

खंड-I

1. भारतीय संविधान के चौथे भाग में राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्व का वर्णन किया गया है, जो शासन व्यवस्था का मूल आधार है। नीति-निर्देशक तत्त्व हमारे संविधान की आकांक्षाओं तथा प्रतिज्ञाओं को स्पष्ट वाणी प्रदान करते हैं। अत: ये तत्त्व देश के प्रशासकों के लिये आचार संहिता है। इस प्रकार राष्ट्र की प्रभुसत्ता के प्रतिनिधियों के रूप में काम करते हुए प्रत्येक को संविधान में वर्णित नीति-निदेशक सिद्धांतों का ध्यान रखना चाहिये। सामान्यत: ये तत्त्व उन आदेशों को प्रतिष्ठापित करते हैं जो राष्ट्र के राज्य का आधार सिद्ध हो। वहीं नीति-निदेशक तत्त्व व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका को दिया गया ऐसा निर्देश होता है जिसके अनुसार उन्हें अपना कार्य सुनिश्चित करना पड़ता है अर्थात् नीति-निर्देशक तत्त्वों का प्रायोजन शांतिपूर्ण तरीकों से सामाजिक क्रांति का मार्ग अग्रसर करके सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों को तत्काल लागू करना है। इन तत्त्वों का उद्देश्य कल्याणकारी राज्य की स्थापना लागू करना है। इन तत्त्वों का उद्देश्य कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है। वैसे तो सामूहिक रूप से ये सिद्धांत भारत में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की रचना करते हैं, परंतु निदेशक तत्त्व का वास्तविक महत्त्व नागरिकों के प्रति राज्य के दायित्व को घोषित करना होता है। सामान्यत: नीति-निदेशक तत्त्व राज्य की नीति के मार्ग दर्शन हेतु सहायक होता है, जिसे निम्न बिंदुओं के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है। जैसे-

- **संविधान की व्याख्या करने हेतु सहायक:** प्राय: भारतीय संविधान के तहत नीति-निदेशक तत्त्व देश के शासन व्यवस्था में आधारभूत तत्त्व हैं। इसके अनुसार प्रशासन के लिए उत्तरदायी प्रत्येक सत्ताएँ निर्देशित होंगी। दूसरी ओर भारतीय न्यायालय भी संविधान की व्याख्या के क्रम में नीति-निदेशक तत्त्वों को उचित महत्त्व देती है।
- **राजनीतिक स्थिरता की दृष्टि में सहायक:** सामान्यत: लोकतंत्र में सरकार बदलती रहती है। विभिन्न दल भिन्न-भिन्न समय में सरकारें बनाती है। प्रत्येक दल की नीतियाँ भिन्न होती है। इनमें से कुछ दल रूढ़िवादी होते हैं तो कुछ क्रांतिकारी। बावजूद इसके सरकार चाहे किसी भी दल की हो, उसे इन तत्त्वों को ध्यान में रखकर ही नीतियाँ बनानी पड़ती हैं। इस तरह नीति-निदेशक सिद्धांतों से प्रशासन में स्थिरता रहती है।
- **न्यायालयों हेतु मार्गदर्शक:** प्राय: भारत के न्यायालयों ने कई बार मौलिक अधिकारों से संबंधित समस्याओं पर निर्णय देते हुए नीति-निर्देशक सिद्धांतों का सहारा लिया है। जैसे- न्यायालय ने बिहार राज्य बनाम कामेश्वर सिंह वाद में अनुच्छेद-39 के तहत यह निर्णय दिया था कि जमींदारी प्रथा के अंत का उद्देश्य वास्तविक जनहित होता है।
- **शासन के मूल्यांकन का मजबूत आधार के रूप में सहायक:** इन तत्त्वों के माध्यम से आम जनता को शासन व्यवस्था की सफलता एवं असफलता की जाँच-पड़ताल का मापदंड प्रदान किया जाता है। इस प्रकार नीति-निदेशक तत्त्व प्रत्येक दलों की कार्यवाहियों को तुलनात्मक जाँच करने के योग्य अनुभव प्रदान करता है।
- **कार्यपालिका पर अंकुश लगाने में सहायक:** संसद राज्य विधानसभा के सदस्यों के अलावा कुछ संविधानवेताओं ने यह संदेह प्रकट किया है कि राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल इस आधार पर किसी विधेयक को अपनी सहमति देने से इंकार कर सकता है कि वह नीति-निदेशक तत्त्वों के अनुकूल नहीं है।

उपरोक्त तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्षत: यह कहा जा सकता है कि संसदीय शासन प्रणाली में नीति-निदेशक तत्त्व की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। जैसा कि पंचायती व्यवस्था, एकसमान नागरिक संहिता तथा समान कार्य हेतु समान वेतन पाने की आधारभूत आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक न्याय प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है। बावजूद इसके नीति-निदेशक तत्त्व न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होने के कारण अपनी महत्ता को प्राप्त करने में सफल साबित नहीं हुआ है। हालाँकि ऐतिहासिक वाद-विवाद में नीति-निदेशक तत्त्वों का भार कई बार मौलिक अधिकारों से ज़्यादा साबित हुआ है। जैसे- अनुच्छेद-31 (क),

56-59वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा)
सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

हल प्रश्नपत्र

खंड-I

1. बिहार के विशेष संदर्भ में 1857 की क्रांति के महत्त्व की आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।
2. संथाल विद्रोह के मुख्य कारणों का विवरण दीजिये। उनके क्या प्रभाव हुए?
3. 'पटना कलम चित्रकारी' की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये।
4. किसान विद्रोहों के लिये चंपारण सत्याग्रह के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये।
5. राष्ट्रवाद को परिभाषित कीजिये। रबींद्रनाथ टैगोर ने इसे किस प्रकार परिभाषित किया?
6. आधुनिक भारत के निर्माण में नेहरू की भूमिका की समीक्षा कीजिये।

खंड-II

7. जलवायु परिवर्तन से आप क्या समझते हैं? जलवायु परिवर्तन के क्या कारण हैं? भारत सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन पर निर्मित राष्ट्रीय कार्य योजना के अंतर्गत कौन-कौन से लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं? बिहार सरकार द्वारा इस संबंध में क्या-क्या कदम उठाए गए हैं? वर्णन कीजिये।
8. एक सुशिक्षित एवं संगठित स्थानीय स्तर की शासन प्रणाली के अभाव में पंचायतें एवं समितियाँ मुख्यत: राजनीतिक संस्थाएँ बनी रहती हैं और शासन का प्रभावशाली उपकरण नहीं बन पाती हैं। आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।
9. सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में लोक स्वास्थ्य प्रणाली की सीमाएँ हैं। क्या आपके विचार से निजी क्षेत्र इस कमी अथवा दूरी को भरने में सेतु के रूप में सहयोग कर सकते हैं? आप कौन-से अन्य उचित विकल्पों का सुझाव देंगे?
10. भारत-पाकिस्तान संबंधों पर आतंकवादी गतिविधियों एवं आपसी अविश्वास के बादल मंडरा रहे हैं। दोनों राष्ट्रों के मध्य सौहार्द्रपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिये खेल-कूद एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसी सौम्य शक्ति का प्रयोग किस सीमा तक किया जाना चाहिये? उचित उदाहरण सहित समझाइये।

खंड-III

11. निम्न वृत्तचित्र और अनुपात सारणी, जो कि क्रमश: एक विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत तथा विभिन्न विषयों में छात्र एवं छात्राओं का अनुपात दर्शाते हैं, का अध्ययन कीजिये तथा नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत

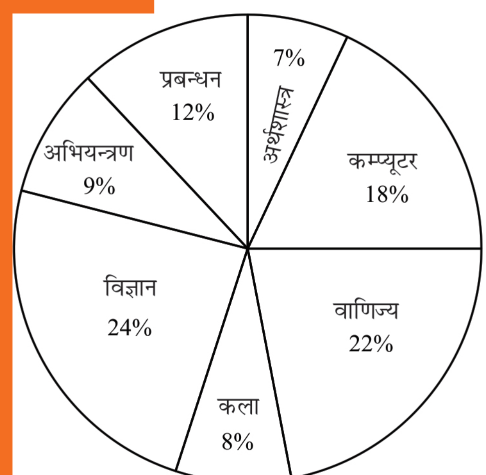

कुल विद्यार्थियों की संख्या = 4800

विषय	छात्र : छात्राएँ
अर्थशास्त्र	3 : 4
कम्प्यूटर	5 : 3
वाणिज्य	5 : 7
कला	1 : 2
विज्ञान	3 : 5
अभियन्त्रण	5 : 4
प्रबन्धन	6 : 3

उत्तर

खंड-I

1. 1857 की क्रांति ने भारतीय इतिहास के साथ-साथ बिहार के इतिहास को भी प्रभावित किया। यह क्रांति अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध देश में संचित सामाजिक-आर्थिक तथा सांस्कृतिक-राजनीतिक असंतोष का परिणाम था। चूँकि केंद्रीय स्तर पर तो इस क्रांति का आरंभ 10 मई, 1857 को हुआ, परंतु अविभाजित बिहार में इस क्रांति की शुरुआत 12 जून, 1857 को देवघर में असंतुष्ट सैनिकों द्वारा तथा जुलाई 1857 को पटना में अली बंधुओं द्वारा किया गया।

इस क्रांति में निर्णायक बिंदु तब आया जब वीर कुँवर सिंह क्रांतिकारी सैनिकों के साथ विद्रोह में शामिल हुए। उन्होंने क्रांति को अत्यधिक जुझारू एवं शक्तिशाली बना दिया। साथ ही साथ नाना साहब के साथ मिलकर कानपुर, गाजीपुर आदि पर अधिकार कर लिया। इसके अलावा कुँवर सिंह ने ली ग्रैंड एवं डगलस की फौज को अप्रैल 1858 में ही पराजित कर दिया। कुँवर सिंह ने 1857 की क्रांति के इतिहास में बिहार के गौरव को ऊँचे शिखर तक पहुँचा दिया। इनके द्वारा किये गए कार्य बिहार के गौरवशाली इतिहास में स्वर्ण अक्षरों के रूप में दर्ज हैं।

बावजूद इसके क्रांति के मूलभूत उद्देश्य पूरे नहीं हुए। बिहार सहित देश के अनेकों जमींदार एवं रजवाड़े अंग्रेजों के सहायक बने हुए थे। परिणामस्वरूप देश में अंग्रेजी दासता बनी रही। अंततोगत्वा इस क्रांति के अनेक तात्कालिक और दूरगामी परिणाम हुए। जैसे– सत्ता के ढाँचे में परिवर्तन आया, ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ तथा भारत को ब्रिटिश क्राउन के प्रत्यक्ष नियंत्रण में लाया गया, गवर्नर जनरल के पद को वायसराय का नाम दिया गया जो ब्रिटिश क्राउन का प्रतिनिधि था। फलतः यह परिवर्तन भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवादी पकड़ को और शक्तिशाली बनाने के लिये हुआ था। जिसमें सत्ता का मूल भाव शोषणपरक ही बना रहा।

बिहार समेत देश के सभी भागों में रजवाड़ों एवं जमींदारों के प्रति अंग्रेजों ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई। साम्राज्यवाद एवं सामंतवाद के मध्य गठजोड़ आंदोलन को संतुलित करने हेतु साम्राज्यवाद के उपरोक्त तत्त्वों का प्रयोग किया। हालाँकि बिहार के रजवाड़े अंग्रेज समर्थक बने रहे। किसानों के शोषण में वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप बिहार में चंपारण सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत जमींदारों के शोषण के विरुद्ध ही हुआ था।

सैन्य ढाँचे में भी बदलाव लाया गया। साथ ही साथ जाति, धर्म तथा क्षेत्र के आधार पर सैनिक टुकड़ियों का गठन तथा नामांकरण किया जाने लगा, ताकि एकीकृत सैनिक विद्रोह की संभावना ही न रहे। इसके अलावा यूरोपीय सैनिकों की संख्या में वृद्धि की गई। अर्थात् 1858 के पश्चात् ब्रिटिश सत्ता द्वारा बाँटो और राज करो की नीति पर पहले से अधिक जोर दिया जाने लगा। जातिवाद एवं संप्रदायवाद को बढ़ावा दिया जाने लगा। समाज सुधार के क्षेत्र में अहस्तक्षेप की नीति पर बल दिया गया। ब्रिटिश सत्ता द्वारा समाज सुधार के कार्य प्रायः बंद कर दिये गए।

हालाँकि पाश्चात्य शिक्षा प्राप्त भारतीय इस विद्रोह से अलग रहे। ब्रिटिश सत्ता द्वारा इनकी प्रशंसा की गई, परंतु जैसे ही यह वर्ग ब्रिटिश साम्राज्यवादी चरित्र का विश्लेषण एवं सरकार में भागीदारी की मांग करने लगे, तब ब्रिटिश सत्ता इस वर्ग के विरोधी हो गई। यद्यपि 1857 की क्रांति समन्वित संस्कृति की अनमोल विरासत साबित हुई, जो बिहार में अत्यधिक प्रभावी दिखी।

उपरोक्त तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि 1857 की क्रांति राष्ट्रवाद का प्रेरणा बन गई। बिहार सहित संपूर्ण भारत में कुँवर सिंह जैसे क्रांतिकारी लोकगीतों एवं कविताओं में राष्ट्रवाद के प्रेरक बन गए।

2. ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध हुए जनजातीय संघर्षों में संथाल विद्रोह (1855–56) सर्वाधिक सशक्त विद्रोह था। यह विद्रोह भागलपुर से राजमहल के बीच, जो 'दामन-ए-कोह' नाम से प्रसिद्ध था तथा संथाल बहुल क्षेत्र के रूप में हुआ।

- इस विद्रोह का मूल कारण ब्रिटिश शासन तथा इसके समर्थक वर्गों यथा ज़मींदारों, साहूकारों तथा स्थानीय अधिकारियों द्वारा आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक व सांस्कृतिक जीवन में किया जा रहा हस्तक्षेप था।

56-59वीं, बी.पी.एस.सी. (मुख्य परीक्षा) सामान्य अध्ययन-द्वितीय प्रश्नपत्र

हल प्रश्नपत्र

खंड-I

1. भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का वर्णन कीजिये। किस प्रकार अनुच्छेद-21 की न्यायिक व्याख्याओं ने जीवन के अधिकार के विषय-क्षेत्र का विस्तार किया है?
2. भारतीय चुनावी राजनीति में जाति की भूमिका का आकलन कीजिये। बिहार के 2015 के चुनाव को जाति की भूमिका ने किस सीमा तक प्रभावित किया?
3. भारतीय संघात्मक व्यवस्था में केंद्र तथा राज्यों के मध्य तनाव के क्षेत्रों का विश्लेषण कीजिये। वर्तमान समय में संघीय सरकार तथा बिहार राज्य के मध्य संबंधों का वर्णन कीजिये।
4. न्यायिक पुनरीक्षण से क्या अभिप्राय है? भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित 'मूल ढाँचे' के सिद्धांत का आलोचनात्मक वर्णन कीजिये।

खंड-II

5. 'जनांकिकी लाभ' क्या है? आर्थिक संवृद्धि पर इसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिये।
6. भारत में 'कृषि विपणन' का वर्णन कीजिये एवं 'कृषि विपणन व्यवस्था' की कमजोरियों को बताइये। कृषि उपज विपणन व्यवस्था में सुधार की दृष्टि से बिहार सरकार द्वारा क्या उपाय किये गए हैं?
7. 'पर्यावरण संरक्षण' तथा 'धारणीय विकास' में क्या संबंध है? भारत में आर्थिक संवृद्धि तथा पर्यावरण अध:पतन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
8. क्षेत्रीय विकास से क्या तात्पर्य है? बिहार के आर्थिक विकास में क्षेत्रीय नियोजन कहाँ तक सफल रहा है? विवेचना कीजिये।

खंड-III

9. अन्य देशों की तुलना में, भारत अलवण जल संसाधनों से सुसंपन्न है। समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिये कि क्या कारण है कि भारत इसके बावजूद जलाभाव से ग्रसित है। वैज्ञानिक प्रबंधन तथा तकनीकी का इस समस्या के निदान में क्या योगदान हो सकता है? व्याख्या कीजिये।
10. बिहार राज्य में बढ़ती ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये उन वैज्ञानिक प्रयासों का सुझाव दीजिये, जिन्हें आप लागू करना चाहेंगे।
11. भारत में भूमंडलीकरण (ग्लोबलाइज़ेशन) के सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभावों की गंभीरतापूर्वक विवेचना कीजिये। विज्ञान तथा तकनीकी नकारात्मक प्रभावों को कैसे कम कर सकते हैं? व्याख्या कीजिये।
12. भारत में मोदी सरकार के सम्मुख उपस्थित चुनौतियों में से प्रमुख हैं, "गंगा नदी की सफाई, घटते हुए प्राकृतिक संसाधन तथा घटती जा रही कृषिभूमि और स्वास्थ्य के बढ़ते हुए खतरे।" इन समस्याओं से निपटने के लिये वैज्ञानिक प्रयासों की विवेचना कीजिये, जिन्हें आप लागू करना चाहेंगे।

उत्तर

खंड-I

1. मौलिक अधिकार नागरिकों को विधि द्वारा प्रदान किया गया वे अधिकार हैं, जो व्यक्ति के स्वाभाविक एवं सर्वांगीण विकास के लिये अनिवार्य होता है। वो मानवाधिकारों के बुनियादी ढाँचे पर "गारंटी का प्रतिरूप" तैयार करते हैं तथा राज्य पर व्यक्ति की स्वतंत्रता का, इसके विभिन्न आयामों में अतिक्रमण न करने का वर्णनात्मक दायित्व आरोपित करता है। भारतीय संविधान में भाग-III के अनुच्छेद-12 से 35 तक मौलिक अधिकारों को उल्लिखित किया गया है, जिसमें छः श्रेणियों के अंतर्गत गारंटी प्रदान की गई है। जैसे-
   - **समानता का अधिकार:** इसके तहत विधि के समक्ष समानता एवं विधियों का समान संरक्षण, धर्म, मूलवंश, लिंग, जाति या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध, लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता तथा अस्पृश्यता एवं उपाधियों का अंत शामिल है।
   - **स्वतंत्रता का अधिकार:** इसके तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, भाषण एवं अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ बनाने, भारत के किसी भाग में निवास करने और अपराधों के लिये दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण तथा गिरफ्तारी एवं निरोध से संरक्षण शामिल हैं।
   - **शोषण के विरुद्ध अधिकार:** इसके तहत सभी प्रकार के बलात् श्रम, बाल श्रम और मानव के दुर्व्यापार तथा दुर्व्यवहार का निषेध किया गया है।
   - अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।
   - अल्पसंख्यकों का अपनी संस्कृति, लिपि तथा भाषा को बनाए रखने, अपनी रुचि की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अधिकार।
   - उपरोक्त सभी मूल अधिकारों को प्रवर्तित करने के लिये संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

   अंततः उपरोक्त मूल अधिकारों में अनुच्छेद-21 द्वारा प्रदान किये गए मूल अधिकार न्यायिक व्याख्याओं में काफी चर्चित रहे हैं। चूँकि संविधान का अनुच्छेद-21 यह गारंटी देता है कि किसी व्यक्ति को "विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा" उसके जीवन या उसके व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जा सकता है। यद्यपि यह अधिकार नागरिकों एवं गैर-नागरिकों को प्राप्त है, चर्चित न्यायिक व्याख्याओं के अनुसार, यह अधिकार केवल शारीरिक अस्तित्व तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय गरिमा के साथ जीवित रहने का अधिकार उसके परिक्षेत्र में आता है। जीवन की स्वतंत्रता के अंतर्गत व्यक्ति के जीवन का अर्थपूर्ण, गरिमापूर्ण एवं सार्थक जीवन को शामिल किया जाता है। इसके संदर्भ में न्यायपालिका का तर्क निम्नलिखित है। जैसे-
   - अनुच्छेद-21 में 'जीवन' शब्द में आजीविका का अधिकार सम्मिलित है।
   - अनुच्छेद-21 के तहत कर्मकारों को न्यूनतम मज़दूरी मूलभूत मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार के अंतर्गत आता है।
   - गरीब व्यक्ति को ऋण न चुकाने हेतु कारागार में डालना उसके व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित करने के समान होगा।
   - अनुच्छेद-21 के तहत एकांतता का अधिकार शामिल है।
   - प्रदूषण मुक्त वायु में साँस लेने का अधिकार अनुच्छेद-21 में सम्मिलित है।

   उपरोक्त तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अनुच्छेद- 21 की न्यायिक व्याख्याओं ने जीवन जीने के अधिकार क्षेत्र का व्यापक विस्तार किया है।

2. भारतीय राजनीति में जाति का संबंध अद्वितीय रहा है। वर्तमान समय में चुनावी राजनीति के प्रत्येक दॉव-पेंच जातिगत माहौल को देखते हुए ही अपनाए जाते हैं। आज के युग में जाति, राजनीति का सर्वस्तरीय पर्याय बन गया है। इसकी भूमिका इतनी महत्त्वपूर्ण हो गई है कि अधिकांश राजनीतिक दलों का निर्माण भी जाति के आधार पर होने लगा है। चुनाव में भी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों का चयन भी जातीय समीकरण को ध्यान में रखकर ही करती है। विभिन्न पार्टियों के बीच चुनावी गठबंधन का आधार भी जातिगत हो गया है। ये जातियाँ वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में "वोट बैंक" का काम करती हैं। लगभग प्रत्येक राजनीतिक

प्रैक्टिस पेपर-1

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेशः

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. बिहार के विशेष संदर्भ में असहयोग आंदोलन के कारणों को स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये।
2. आदिवासी विद्रोह से क्या तात्पर्य है? इस संदर्भ में मुंडा विद्रोह के महत्त्व का आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।
3. मधुबनी एवं मंजूषा चित्रकला में अंतर स्पष्ट करते हुए इनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
4. जे.पी. आंदोलन और आपातकाल का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिये।
5. यह स्पष्ट कीजिये कि 1857 का विद्रोह किस प्रकार औपनिवेशिक भारत के प्रति ब्रिटिश नीतियों के विकासक्रम में महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ है?
6. आचार्य विनोबा भावे के भूदान और ग्रामदान आंदोलनों के उद्देश्यों की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये तथा उनकी सफलता का आकलन प्रस्तुत कीजिये।

खंड-II

7. नोटबंदी के बाद से ही सरकार लगातार उन उपायों पर बल दे रही है जिनसे देश को कैशलेस अर्थव्यवस्था में बदला जा सके। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कैशलेस अर्थव्यवस्था के लाभ, इसके सम्मुख विद्यमान चुनौतियाँ और उनके समाधान पर चर्चा कीजिये।
8. भारतीय नीति-निर्माताओं के लिये रोहिंग्या समस्या एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। रोहिंग्या समस्या के संबंध में भारत किन दुविधाओं का सामना कर रहा है? स्पष्ट कीजिये।
9. ईरान न्यूक्लियर डील से अमेरिका के बाहर जाने से वैश्विक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिये। इस स्थिति का भारत के संदर्भ में भी समीक्षा प्रस्तुत कीजिये।
10. राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) क्या है? इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? इस संदर्भ में असम समझौते का उल्लेख कीजिये। साथ ही साथ नागरिकता की समाप्ति से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिये।
11. मनरेगा की सफलताओं एवं असफलताओं को दृष्टिगत रखते हुए देश के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका की जाँच करें। इस संदर्भ में बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिये।

खंड-III

12. निम्नलिखित ग्राफ को ध्यान से पढ़िये और उसके बाद दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

एक वर्ष में विभिन्न कंपनियों द्वारा बनाए गए और बेचे गए कंप्यूटरों की संख्या

(लाखों में)

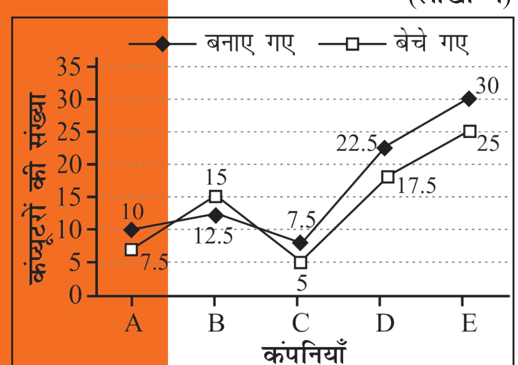

(क) कंपनी A और C द्वारा मिलकर बनाए गए कंप्यूटरों की संख्या का A और C द्वारा मिलकर बेचे गए कंप्यूटरों की संख्या से क्रमशः अनुपात क्या है?

(ख) सभी कंपनियों द्वारा मिलकर बनाए गए कंप्यूटरों की औसत संख्या और सभी कंपनियों द्वारा मिलकर

15. नीचे दी गई सूचना के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दें:
नीचे दिया गया आरेख वर्ष 2013 के अंतिम पाँच महीनों के दौरान निर्यात के लिये दो प्रकार के जूतों-फॉर्मल एवं स्पोर्ट्स संबंधी आँकड़ों को दर्शाता है। सभी जूतों की गहन गुणवत्ता जाँच की गई और जो दोषपूर्ण पाए गए, उनको हटा दिया गया।

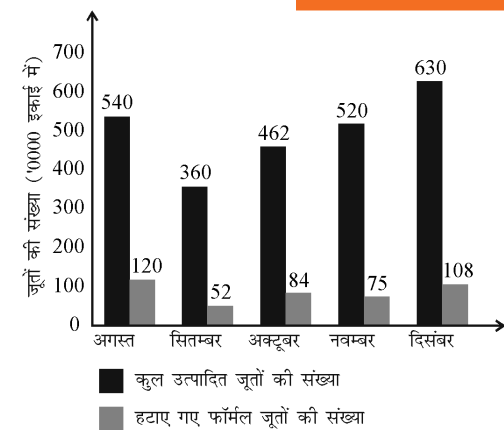

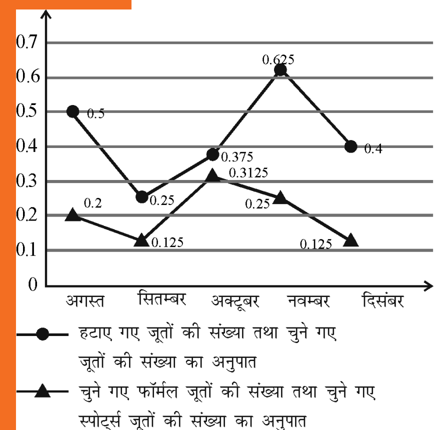

(क) किस महीने में हटाए गए स्पोर्ट्स जूतों की प्रतिशत संख्या, कुल हटाए गए जूतों के सापेक्ष अधिकतम थी?

(ख) पाँच महीनों में उत्पादित कुल फॉर्मल जूतों की संख्या ('0000 इकाई में) क्या थी?

(ग) दिये गए पाँच महीनों में कितनी बार चुने गए स्पोर्ट्स जूतों की संख्या एकसमान थी?

सामान्य अध्ययन-द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेश:

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. भारत को राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में प्रदत्त अपने नागरिकों के लिये 'समान सिविल संहिता को अधिनियमित करने से रोकने वाले प्रमुख कारकों का विश्लेषण कीजिये।
2. मॉब लिंचिंग से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख कारणों पर चर्चा करते हुए, रोकने हेतु उपाय प्रस्तुत कीजिये। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गए निर्देशों का उल्लेख कीजिये।
3. भारतीय राजनीतिक पार्टी प्रणाली परिवर्तन के ऐसे दौर में गुज़र रही है, जो अंतर्विरोधों और विरोधाभासों से भरा प्रतीत होता है। हाल ही में घटित बिहार के राजनीतिक घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में अपना विचार प्रस्तुत कीजिये।
4. भारत सरकार के अधीन उच्च पदों के लिये लैटरल भर्ती की घोषणा को प्रशासनिक संरचना में महत्त्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। आपकी राय में इस परिवर्तन के संभावित लाभ क्या हैं तथा इसमें कौन-सी चुनौतियाँ निहित हैं? स्पष्ट कीजिये।

खंड-II

5. प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पी.एम.जे.डी.वाई.) बैंक रहितों को संस्थागत वित्त में लाने के लिये आवश्यक है। क्या आप सहमत हैं कि इससे भारतीय समाज के गरीब तबके के लोगों का वित्तीय समावेश होगा? अपने मत की पुष्टि के लिये तर्क प्रस्तुत कीजिये।
6. भारतीय कृषि की प्रकृति की अनिश्चितताओं पर निर्भरता के मद्देनज़र, फसल बीमा की आवश्यकता क्यों पड़ी? इस संदर्भ में 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
7. खाप पंचायतें संविधानेतर प्राधिकरणों के तौर पर कार्य करके अक्सर मानवाधिकार उल्लंघनों की कोटि में आने

प्रैक्टिस पेपर-2

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेशः

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. प्रांतीय व्यवस्था के अंतर्गत "द्वैध शासन प्रणाली" क्या थी? इस परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार अधिनियम, 1919 के प्रमुख प्रावधानों की विवेचना कीजिये।
2. "हमें सिंध को अपने अधीन करने का कोई अधिकार नहीं है, फिर भी हम ऐसा करेंगे और यह एक बहुत लाभदायक, उपयोगी तथा मानवतापूर्ण नीचता होगी।" वर्णन कीजिये।
3. धर्म एवं संस्कृति में अंतर स्पष्ट कीजिये। इस संदर्भ में भारतीय संस्कृति की विशेषताओं पर विस्तृत टिप्पणी लिखिये।
4. क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं कि चंपारण सत्याग्रह भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में एक परिवर्तनीय बिंदु था? स्पष्ट कीजिये।
5. उन कारकों का वर्णन कीजिये, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद के उत्थान में सहायता की। इस संदर्भ में रबीन्द्रनाथ टैगोर के योगदान का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिये।
6. आधुनिक बिहार में जनजातीय आंदोलन के क्या उद्देश्य थे? बिहार के विशेष संदर्भ में संथाल विद्रोह के कारण एवं परिणाम बताइये।

खंड-II

7. भारत-चीन के बीच सुरक्षा संबंधों में पाए जाने वाले विरोधाभास के कारणों की पड़ताल करें। क्या भारत की चीन नीति के अंतर्गत किसी नए बाह्य संतुलन के विकास की कोई संभावना दिखाई दे रही है? स्पष्ट कीजिये।
8. स्मार्ट शहरों से क्या तात्पर्य है? भारत के शहरी विकास में इनकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये। क्या इससे ग्रामीण तथा शहरी भेदभाव में बढ़ोतरी होगी? बिहार के विशेष संदर्भ में पी.यू.आर.ए. (PURA) एवं आर. यू.आर.बी.ए.एन. (RURBAN) मिशन हेतु स्मार्ट गाँवों के लिये तर्क प्रस्तुत कीजिये।
9. वर्तमान अमेरिकी विदेश नीति में पश्चिम एशिया एवं दक्षिण एशिया के बजाय एशिया-प्रशांत क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव के विभिन्न कारणों का उल्लेख करते हुए इस संबंध में अमेरिका के लिये भारत के महत्त्व पर चर्चा करें।
10. "भारत में सत्ता विकेन्द्रीकरण के 25 वर्षों के बाद भी पंचायती राज संस्थाओं को धन की कमी जैसी समस्या से जूझना पड़ रहा है।" इस संबंध में 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों तथा उसके प्रयासों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
11. भारत में नि:शक्त व्यक्तियों के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख कीजिये। साथ ही, इनके कल्याण हेतु-चलाए जा रहे सुगम्य भारत अभियान की प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिये।

खड-III

12. निम्नलिखित ग्राफ को ध्यान से पढ़िये तथा नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

विगत वर्षों में एक कंपनी द्वारा बनाए गए और बेचे गए कच्चे माल के यूनिट (करोड़ में)

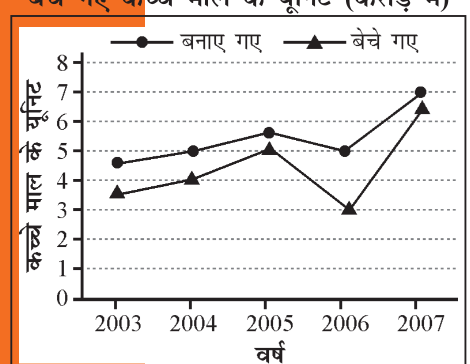

प्रैक्टिस पेपर-3

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेशः

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. 'मुक्त व्यापार की नीति' से आप क्या समझते हैं? इस संदर्भ में चार्टर अधिनियम, 1813 तथा चार्टर अधिनियम- 1833 के प्रमुख प्रावधानों का तुलनात्मक रूप से वर्णन कीजिये।
2. 1857 की क्रांति के कारण एवं परिणाम स्पष्ट कीजिये। बिहार में इस क्रांति के नेतृत्वकर्त्ता कुँवर सिंह की भूमिका का उल्लेख कीजिये।
3. मूर्तिकला को विस्तार देने में बिहार में 'पाल काल' की भूमिका स्पष्ट कीजिये तथा उदाहरण सहित वर्णन कीजिये।
4. गांधीवादी आंदोलन ने किस प्रकार भारतीय स्वतंत्रता के मार्ग को प्रशस्त किया? उदाहरण सहित वर्णन कीजिये।
5. राष्ट्रवाद के संबंध में रबीन्द्रनाथ टैगोर के योगदान का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिये।
6. होमरूल आंदोलन का क्या उद्देश्य था? इस संदर्भ में तिलक एवं एनी बेसेंट द्वारा संचालित होमरूल लीग का तुलनात्मक वर्णन कीजिये। क्या इनकी नीतियाँ स्वतंत्रता आंदोलन में सहायक साबित हुईं? समीक्षा कीजिये।

खंड-II

7. "श्रम सुधार तथा भूमि सुधार की आवश्यकता के मद्देनज़र भारत की अर्थव्यवस्था में एन.पी.ए. (NPA) एक प्रमुख समस्या है। बावजूद इसके आई.एम.एफ (IMF) के अनुसार वैश्विक विकास का नेतृत्व भारत की मज़बूत अर्थव्यवस्था करेगी।" कथन के आलोक में उपयुक्त विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।
8. 'कार्बन कर' जलवायु परिवर्तन पर शमन नीति के रूप में एक अच्छा विचार है, किंतु इसके समक्ष अनेक चुनौतियाँ भी हैं। चर्चा कीजिये।

9. हाल ही में चर्चित "मूव हैक" से आप क्या समझते हैं? नीति आयोग द्वारा संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये।
10. एक देश के रूप में विश्व में भुखमरी तथा कुपोषण से पीड़ित सर्वाधिक लोग भारत में ही निवास करते हैं। किंतु वर्तमान समय में अतिपोषण की समस्या अधिक तेज़ी से उभर रही हैं। इस कथन पर विचार करते हुए समस्या के कारणों एवं इसके समाधान पर प्रकाश डालें।
11. यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन) के मैक्ब्राइड आयोग के लक्ष्य और उद्देश्य क्या-क्या हैं? इनमें भारत की क्या स्थिति है?

खंड-III

12. निम्नलिखित ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

विगत वर्षों में दो बिजनेस भागीदारों के निवेश

(₹ लाख में)

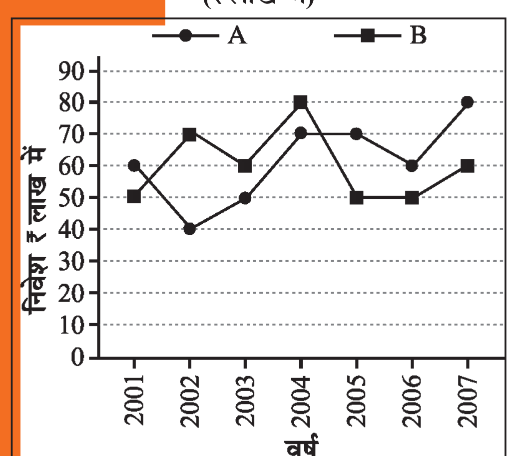

प्रैक्टिस पेपर-4

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेश:

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि 'प्लासी की लड़ाई' एक विश्वासघात का परिणाम था, जबकि 'बक्सर का युद्ध' अंग्रेज़ों द्वारा निर्णायक सत्ता की प्राप्ति का साधन। विवेचना कीजिये।
2. ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय कृषि का विकास अवरुद्ध था। बिहार के विशेष संदर्भ में इसके कारणों की व्याख्या कीजिये।
3. भारतीय चित्रकला से आप क्या समझते हैं? बिहार के विशेष संदर्भ में पटना, मंजूषा एवं मधुबनी चित्रकला का विवरण प्रस्तुत कीजिये।
4. ब्रिटिश काल में 'धन का निष्कासन' से क्या तात्पर्य है? इस संदर्भ में दादाभाई नौरोजी के विचारों का वर्णन करते हुए, धन की निकासी का परिणाम बताइये।
5. 'भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा' चार्ल्स वुड का डिस्पैच (1854 ई.) योजना की सिफारिशें तथा उनका महत्त्व स्पष्ट कीजिये।
6. इस निष्कर्ष का निवारण कठिन है कि 1857 का तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय संग्राम, न तो प्रथम है, न ही राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम।' समीक्षा कीजिये।

खंड-II

7. भारत-म्याँमार के बीच भूमि वीजा की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट कीजिये, साथ ही नए वीजा मानदंडों की चर्चा करते हुए इनके लाभों को स्पष्ट कीजिये।
8. "राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान 'सबका साथ, सबका गाँव, सबका विकास' के लक्ष्य को पूरा करने में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।" इसके कथन के संदर्भ में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के विस्तार तथा इसके प्रमुख लक्ष्यों की स्पष्ट चर्चा करें।
9. "भारतीय बच्चों में मोटापे की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है।" इस समस्या से जुड़ी चुनौतियाँ कौन-सी हैं? इन चुनौतियों से निपटने के उपाय सुझाएँ।
10. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करें तथा इनसे निपटने के लिये उपाय भी सुझाएँ।
11. उन सहस्त्र विकास लक्ष्यों को पहचानिये, जो स्वास्थ्य से संबंधित हैं। इन्हें पूरा करने के लिये सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की सफलता का विश्लेषण कीजिये।

खंड-III

12. निम्नलिखित ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

विभिन्न शहरों में एक प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की संख्या (लाख में)

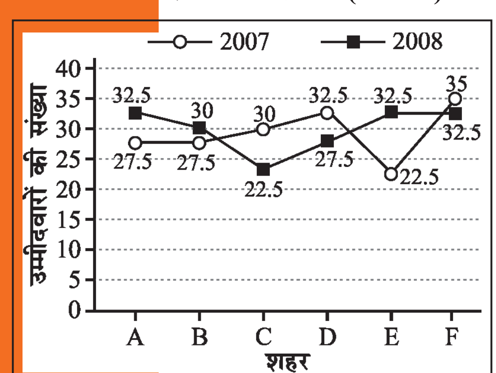

प्रैक्टिस पेपर-5

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेशः

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. ब्रिटिश भू-राजस्व नीति का उल्लेख कीजिये। इस संदर्भ में स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी एवं महालवाड़ी व्यवस्था का तुलनात्मक वर्णन कीजिये।
2. भारत की शिक्षा प्रणाली को ब्रिटिश सरकार ने किस प्रकार प्रभावित किया? बिहार के विशेष संदर्भ में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
3. भारतीय नृत्य परंपरा में लोकनृत्य से आप क्या समझते हैं? इस संदर्भ में बिहार के प्रमुख लोकनृत्यों की चर्चा कीजिये।
4. बिहार के किसान आंदोलन का वर्णन करते हुए 'चंपारण आंदोलन में विशेषतः गांधीजी के हस्तक्षेप का विश्लेषण कीजिये।
5. 'आर्य समाज' के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिये।
6. भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सुभाष चंद्र बोस के प्रमुख योगदानों का उल्लेख कीजिये।

खंड-II

7. सामरिक व्यापार प्राधिकरण (स्ट्रैटजिक ट्रेड ऑथारटी) से क्या तात्पर्य है? इस संदर्भ में भारत-अमेरिका के गहराते रिश्तों से भारत को क्या लाभ हो सकता है? स्पष्ट करें।
8. जब प्रत्येक क्षेत्र नागरिक समाज की निगरानी में है तो यह और भी ज़्यादा महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि गैर-सरकारी संगठनों की जवाबदेही स्थापित की जाए। कथन के आलोक में विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।
9. भारत में लिंगानुपात में सुधार के लिये सरकार द्वारा अनेक जागरूकता अभियान चलाए गए, लेकिन यह मुद्दा इतना जटिल है कि परिवारों के व्यवहार को बदलने के लिये मात्र सूचनाएँ देना पर्याप्त नहीं है। विवेचना कीजिये।
10. यूरेशियाई परिदृश्य में भारत की प्रमुख भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। हाल ही में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन में भारत के प्रवेश लेने का औचित्य स्पष्ट कीजिये।
11. सतत् गतिशीलता मानव का स्वभाव है और पर्यटन इसकी अभिव्यक्ति। उपरोक्त कथन पर चर्चा करते हुए बिहार में पर्यटन उद्योग की संभावनाओं की समीक्षा कीजिये।

खंड-III

12. निम्नलिखित ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

विगत वर्षों में दो कंपनियों के लाभ में प्रतिशत वृद्धि

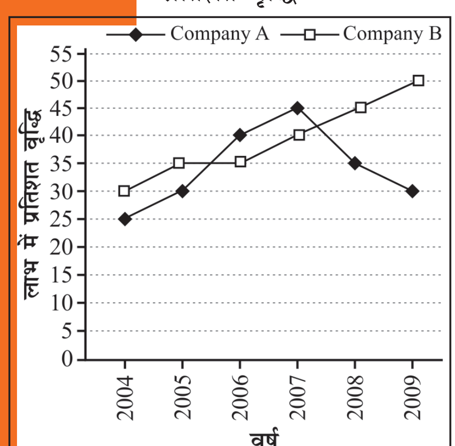

प्रैक्टिस पेपर-6

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेशः

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. तत्कालीन परिप्रेक्ष्य में बंगाल में ऐसी कौन-कौन सी परिस्थितियाँ मौजूद थीं, जिससे अंग्रेज़ों ने बंगाल को ही प्रशासन का केंद्र बनाया। उदाहरण सहित विवेचना कीजिये।
2. देशी रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीतियों का वर्णन कीजिये। उन नीतियों से भारत को क्या लाभ हुआ? उदाहरण सहित समझाइये।
3. भारत में मनाए जाने वाले 'प्रमुख उत्सव' विदेशी पर्यटन को बढ़ावा देने में कहाँ तक सफल हैं? बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों का वर्णन कीजिये।
4. क्या आप मानते हैं कि इल्बर्ट बिल विधेयक ने भारतीय राष्ट्रवाद को उभारने में मदद की? इस परिप्रेक्ष्य में लॉर्ड लिटन एवं कर्जन के प्रतिक्रियावादी नीतियों का वर्णन करें।
5. राष्ट्रीय आंदोलन में गरम दल की क्या भूमिका रही। इसके सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए यह बताएँ कि क्या वे अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके। स्पष्ट कीजिये।
6. गाँधीवादी आंदोलन के प्रथम चरण का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिये।

खंड-II

7. "गर्मी के मौसम में जंगलों में लगने वाली आग व्यापक रूप से प्राकृतिक पूंजी को नष्ट कर देती है।" इसके कारणों की चर्चा करते हुए पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभावों तथा समाधानों पर प्रकाश डालिये। इस संदर्भ में बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिये।
8. भारत में पंचायती राज संस्थाएँ अप्रभावी निष्पादन के कारण अपेक्षित परिणाम देने में विफल रही हैं। अप्रभावी निष्पादन के कारणों की पड़ताल करते हुए सुधार के तर्कसंगत उपाय सुझाइये।
9. जेनेरिक दवाओं से क्या तात्पर्य है? भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच को समावेशी बनाने के लिये किन मानदंडों की आवश्यकता होती है? अपना मत प्रकट कीजिये।
10. भारत-अफ्रीका भागीदारी साझा चुनौतियों, आम हित और आपसी हित की अवधारणा पर आधारित है। स्पष्ट कीजिये।
11. सुरक्षा की दृष्टि से मनुष्य हमेशा से समूह में रहना पंसद करता है लेकिन वर्तमान में इन समूहों ने ही उसकी सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। इस कथन के संदर्भ में भीड़ द्वारा हिंसा की घटनाओं के कारणों एवं समाधान के उपायों का विश्लेषण कीजिये।

खंड-III

12. **निर्देशः** निम्नलिखित ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

विगत वर्षों में एक कंपनी द्वारा विनिर्मित और बेचे गए उत्पादों की संख्या (हज़ारों में)

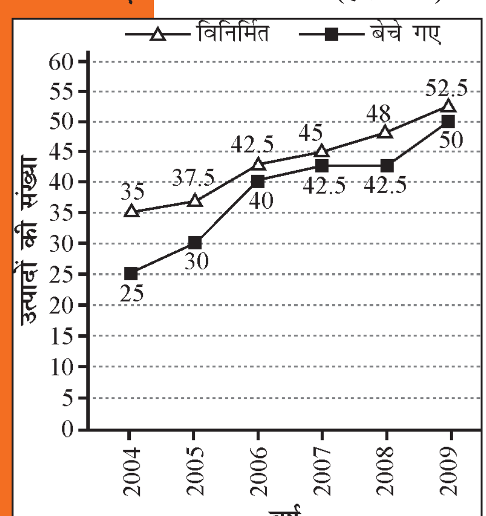

प्रैक्टिस पेपर-7

सामान्य अध्ययन-प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 300**

अनुदेशः

- खंड-I एवं खंड-II प्रत्येक में से तीन-तीन प्रश्न तथा खंड-III से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड-I

1. स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व भारत में स्थानीय-स्वायत्त शासन का विकास किस प्रकार हुआ? वर्णन प्रस्तुत कीजिये।
2. जनजातीय आंदोलन की प्रकृति की विवेचना कीजिये। क्या जनजातीय आंदोलन अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल रहे? स्पष्ट कीजिये।
3. "विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त होने से किसी स्थल का न सिर्फ संरक्षण आसान हो जाता है, बल्कि आस-पास रहने वाले समुदायों की आय में वृद्धि की संभावना होती है।" बिहार के विशेष संदर्भ में कथन का परीक्षण कीजिये।
4. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना से पूर्व उन महत्त्वपूर्ण राजनीतिक संस्थाओं का वर्णन करें, जिसने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को स्फूर्ति प्रदान किया।
5. संप्रदायवाद और धर्मनिरपेक्षता पर नेहरू की विचारधारा एवं प्रतिक्रिया ने ही आधुनिक 'सेक्युलर' भारत की नींव को मज़बूत किया। विवेचना प्रस्तुत कीजिये।
6. असहयोग आंदोलन की वापसी ने जिस क्रांतिकारी आंदोलन की नींव तैयार की थी, उसे काकोरी कांड ने समाप्त कर दिया था। समीक्षा कीजिये।

खंड-II

7. जलवायु परिवर्तन से कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों की आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
8. "73वें संविधान संशोधन अधिनियम- 1993 के लागू होने के दो से अधिक दशकों के बाद भी ग्राम स्वराज का गांधीवादी आदर्श एक अधूरी कार्यसूची (एजेंडा) के रूप में बना हुआ है।" कथन के आलोक में विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।
9. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बनाने तथा देखभाल के संदर्भ में आयुष्मान भारत एक महत्त्वपूर्ण कदम है। विवेचना कीजिये।
10. देश में बेरोज़गारी की समस्या को हल करने के उद्देश्य से शुरू की गई मुद्रा योजना भी अन्य योजनाओं की तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती हुई प्रतीत हो रही है। विश्लेषण कीजिये।
11. आतंकवादी गतिविधियों और परस्पर अविश्वास ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को धूमिल बना दिया है। खेलों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसी मृदु शक्ति किस सीमा तक दोनों देशों के बीच सद्भाव उत्पन्न करने में सहायक हो सकती है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये।

खंड-III

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिये दिये गए ग्राफ को ध्यान से पढ़ें-

विगत वर्षों में दो कंपनियों द्वारा कमाया गया प्रतिशत लाभ

$$\left(\textbf{प्रतिशत लाभ} = \frac{\textbf{आय} - \textbf{व्यय}}{\textbf{व्यय}} \times 100\right)$$

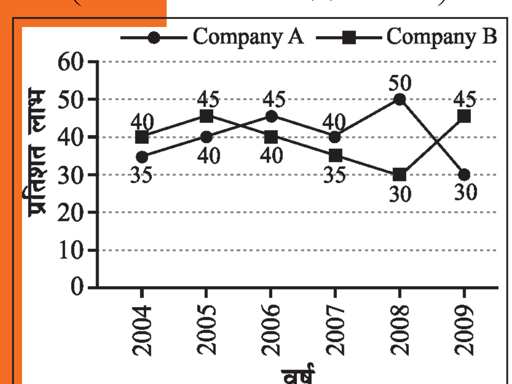

(क) वर्ष 2004 में कंपनी A और कंपनी B द्वारा किया गया व्यय समान था। उस वर्ष कंपनी A और B की आय का क्रमशः अनुपात क्या था?

डी.एल.पी. बुकलेट्स की विशेषताएँ

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अध्ययन सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फॉर्म, सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रामाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीज़न हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्त्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।

Website : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

DrishtiIAS

YouTube Drishti IAS

drishtiias

drishtithevisionfoundation

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Phones : 011-47532596, +91-8130392354, 813039235456